No. of Printed Pages : 8

EHI-05

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

June, 2019

20795

ELECTIVE COURSE : HISTORY

EHI-05 : INDIA FROM MID-18th CENTURY TO MID-19th CENTURY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

(Weightage : 70%)

Note : *This question paper has **three** sections. The students have to attempt any **two** questions in about **500** words each from **Section I**, any **four** questions in about **250** words each from **Section II** and any **two** short notes in about **100** words each from **Section III**. The marks are mentioned against each question.*

SECTION I

1. How did the nature of State formation differ in Mysore and Hyderabad ? Discuss. *20*

2. Was the 18th century a 'dark age' ? Discuss. *20*

3. Comment on the contours of the Hindi–Urdu controversy. *20*

4. Did the Permanent Settlement succeed with its objectives ? Discuss. *20*

SECTION II

5. Why did the Revolt of 1857 fail ? Discuss. *12*

6. Comment on the nature of British policy towards Burma. *12*

7. Were the British able to establish a rule of law in India ? Comment. *12*

8. What were the main features of the Ryotwari Settlement ? *12*

9. Was Ricardo's doctrine of rent successfully implemented in India ? Discuss. *12*

10. Comment briefly on the Orientalists' vision and activities in India. *12*

11. Discuss briefly Raja Ram Mohan Roy's contribution towards social reform movement in India. *12*

12. Did the Charter Act of 1833 accomplish its purpose ? *12*

SECTION III

13. Write short notes on any ***two*** of the following in about 100 words each : *6+6=12*

(a) Awadh in the 18th century

(b) Sanyasi Rebellion

(c) Education Policy under the British

(d) Judiciary under the British

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : इतिहास

ई.एच.आई.-05 : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक का भारत

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का : 70%)

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं । विद्यार्थियों को **खण्ड I** में से कोई दो प्रश्न लगभग **500** शब्दों (प्रत्येक) में, **खण्ड II** में से कोई **चार** प्रश्न लगभग **250** शब्दों (प्रत्येक) में तथा **खण्ड III** में से कोई दो संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग **100** शब्दों (प्रत्येक) में करने हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।*

खण्ड I

1. मैसूर और हैदराबाद में राज्य निर्माण की प्रकृति किस प्रकार भिन्न थी ? चर्चा कीजिए । *20*

2. क्या 18वीं शताब्दी एक 'अंधकारमय युग' था ? चर्चा कीजिए । *20*

3. हिन्दी–उर्दू विवाद की रूपरेखा पर टिप्पणी कीजिए । 20

4. क्या स्थायी बन्दोबस्त अपने उद्देश्यों में सफल रहा ? चर्चा कीजिए । 20

खण्ड II

5. 1857 का विद्रोह क्यों असफल रहा ? चर्चा कीजिए । *12*

6. बर्मा के प्रति ब्रिटिश नीति की प्रकृति पर टिप्पणी कीजिए । *12*

7. क्या ब्रिटिश भारत में क़ानून पर आधारित शासन (Rule of Law) स्थापित करना चाहते थे ? टिप्पणी कीजिए । *12*

8. रैयतवाड़ी बन्दोबस्त की प्रमुख विशेषताएँ क्या थीं ? *12*

9. क्या रिकार्डो का लगान संबंधी सिद्धांत भारत में सफलतापूर्वक अमल में लाया गया ? चर्चा कीजिए । *12*

10. भारत में प्राच्यवादियों की परिकल्पना और गतिविधियों पर संक्षिप्त में टिप्पणी कीजिए । *12*

11. भारत में राजा राम मोहन रॉय के सामाजिक सुधार आन्दोलन में योगदान की संक्षिप्त चर्चा कीजिए । *12*

12. क्या 1833 का चार्टर ऐक्ट अपने उद्देश्य को पूरा करने में सफल रहा ? *12*

खण्ड III

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *6+6=12*

(क) अठारहवीं शताब्दी में अवध

(ख) सन्यासी विद्रोह

(ग) अंग्रेज़ों की शिक्षा नीति

(घ) अंग्रेज़ों के अधीन न्यायतंत्र